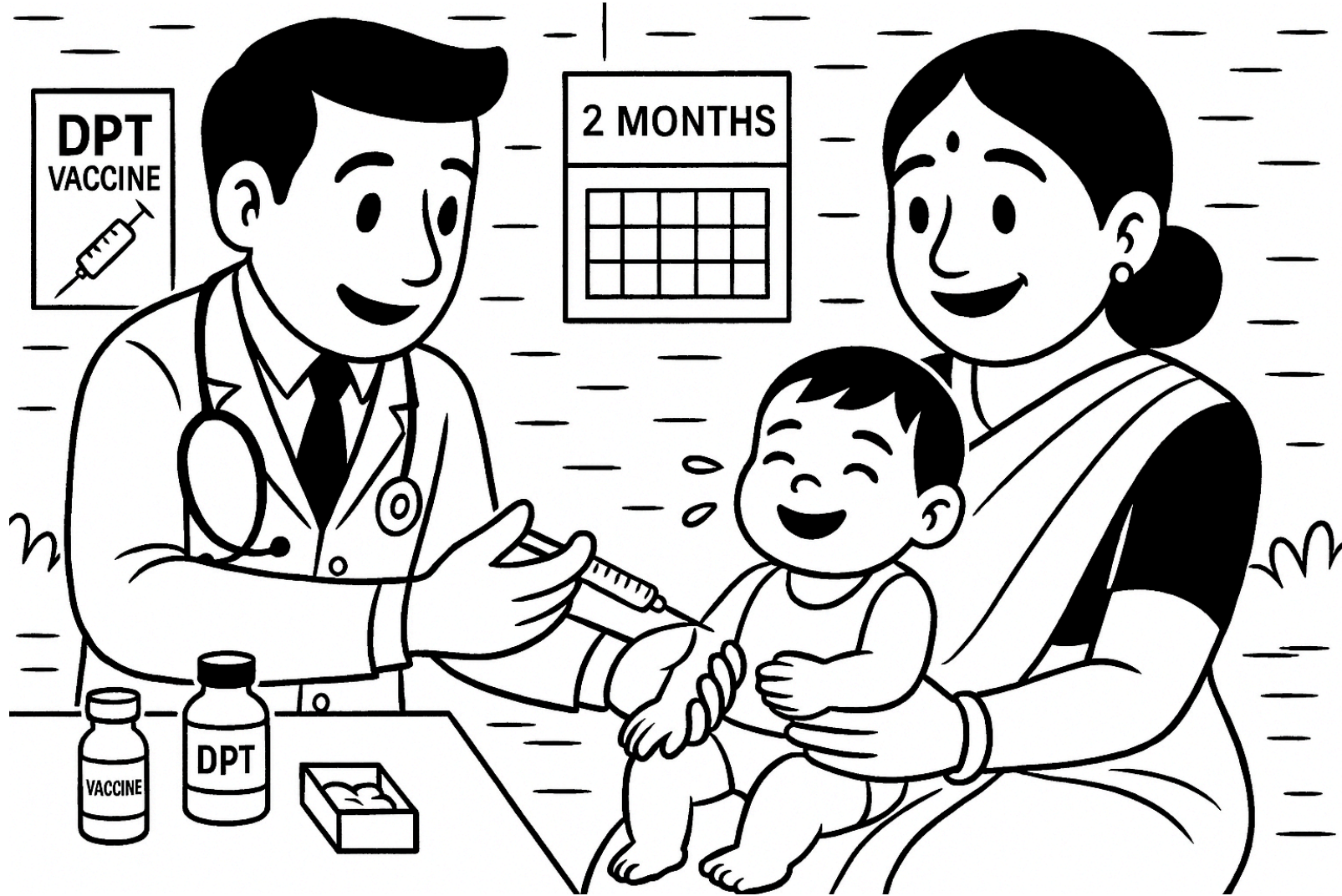


छोटै पेटारौं दि टीकौ लाणै रौ फाइदौ



Bangani

छोटै पेटारौउं दि टीकौ लाणै रौ फाइदौ

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language
Community based Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥



एक गाउँ दि रामू औज़ि गीता रौयैण थै ।
तिउँरै गौरे दि एक पियारी माइं रौ जनम
उवौ । तीं माइं रौ नौउँ तिउँ रिया थौ । एज़ि
बौज़ै कौइ तिउँरै पुरै गाउँ दि खुशी रौ
माहौल थौ बौणौन्दौ ।



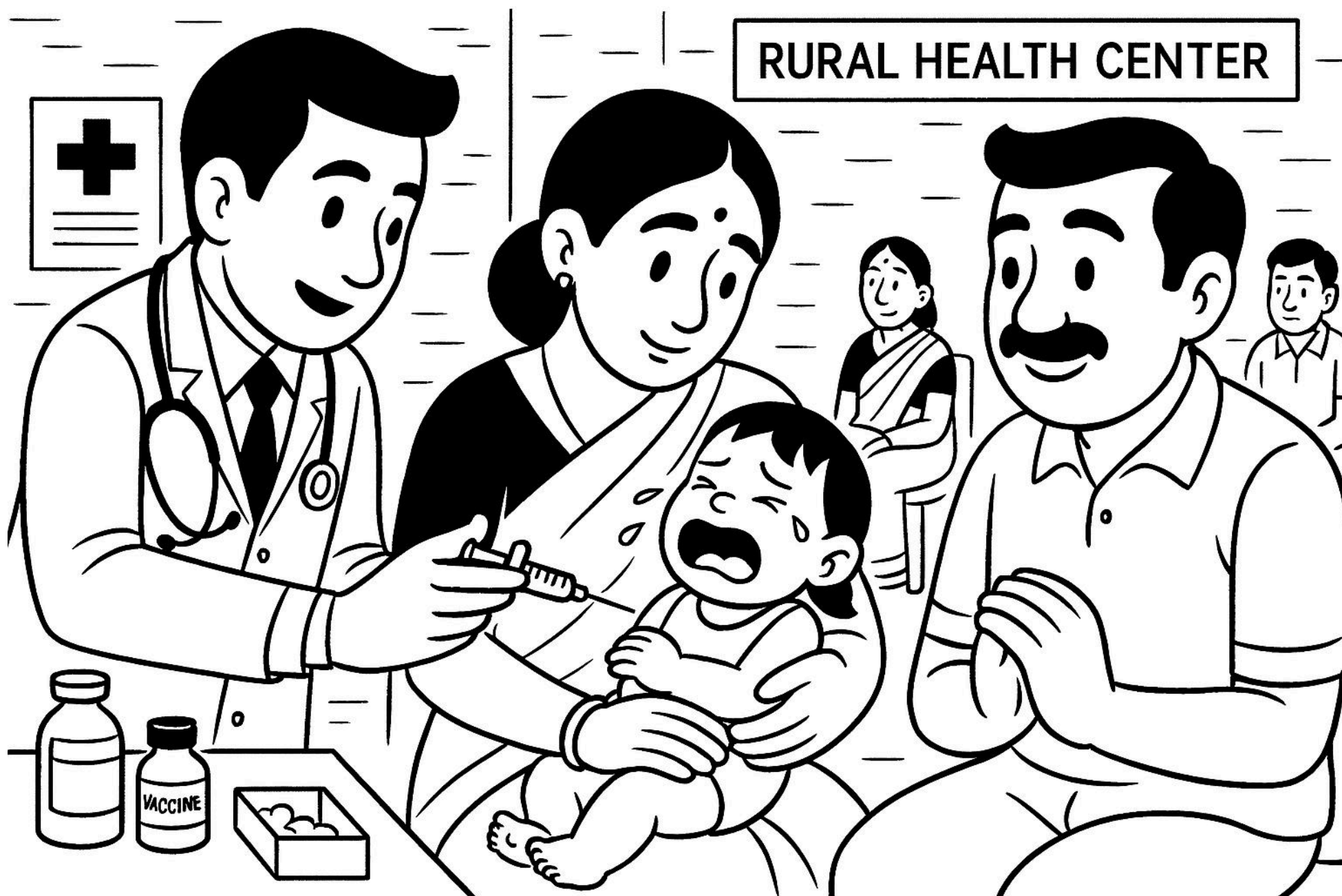
रिया रै जनम बासियै, गीता तीं बौड़ै
पियार कौड़ पाळै थी, औज़ि रामू बी रोज़
कामै कौड़ गौरै आइयौ आपडी माइं रै
साथै खेलै थौ। पर तिउंके एशौ पौतौ ना
नौथि थो कि माइं री सेहत खी टीकौ
लाणौ ज़ौरुरी औयै।



एक दूस, तिउँरै गौरेदि मीना आई सै गाउँ
दि आशा रौ काम कौरै थी। तियै तिउँवारी
बोलौ, कि छोटै पेटारौउँ बीमारिउँ कौइ
बौचाणेखी टीकौ ज़ौरुरी जा लाणै। गीताइ
बोलौ कि टीकौ का औयै।



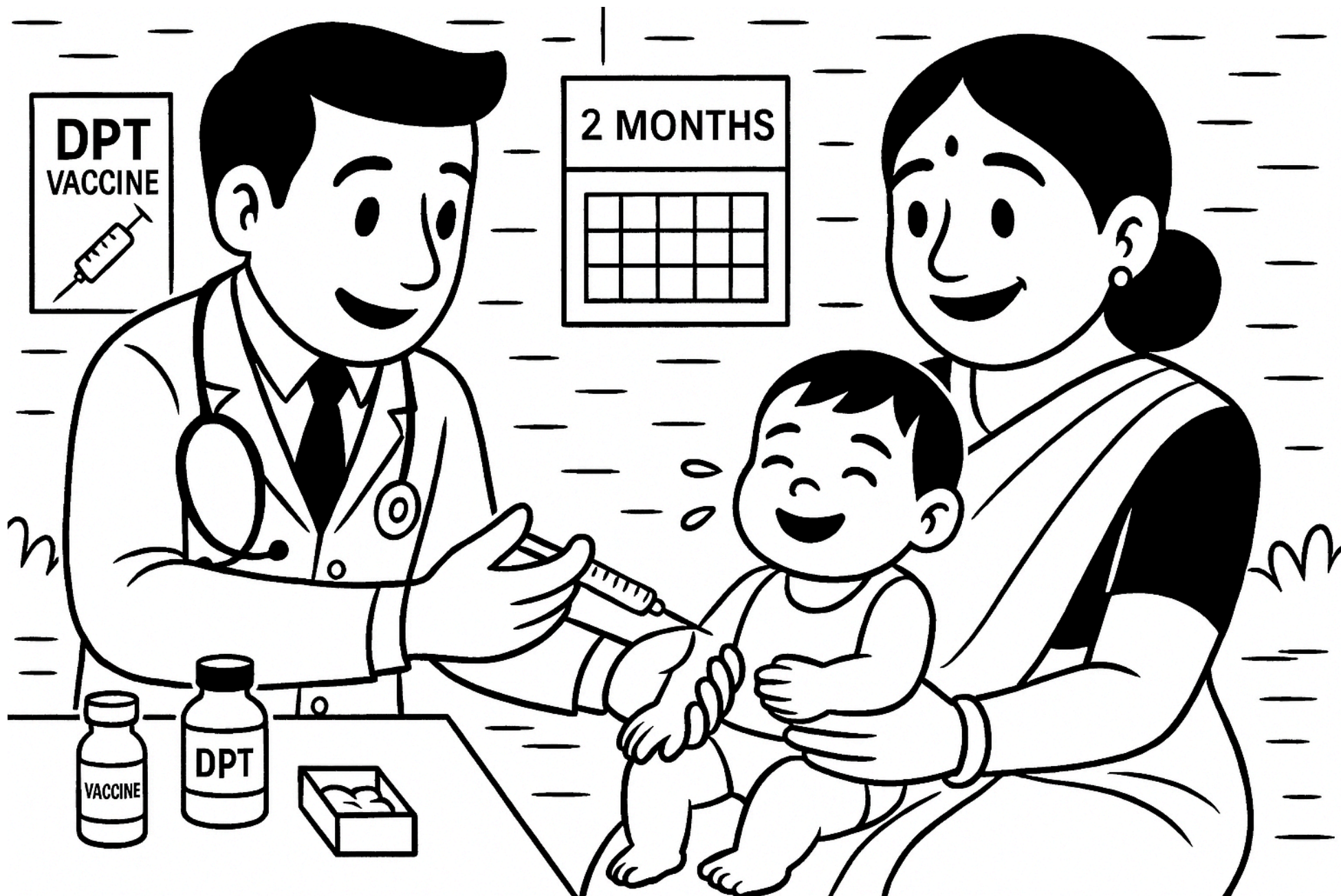
मीनाइ सै सौमजायै कि टीकौ पेटारौउं रै
शौरीर दि बीमारी कौइ लौड़ने री शौक्ति
बौड़ायै । भारत देश दि सौरकारी
औस्पताल दि एउ टीकौ फिरी दी मिलै ।
रिया कै औगौणिकै रौ टीकौ तिरै जनम
बासियै तेत्राइ लौआणै चाइं थौ ।



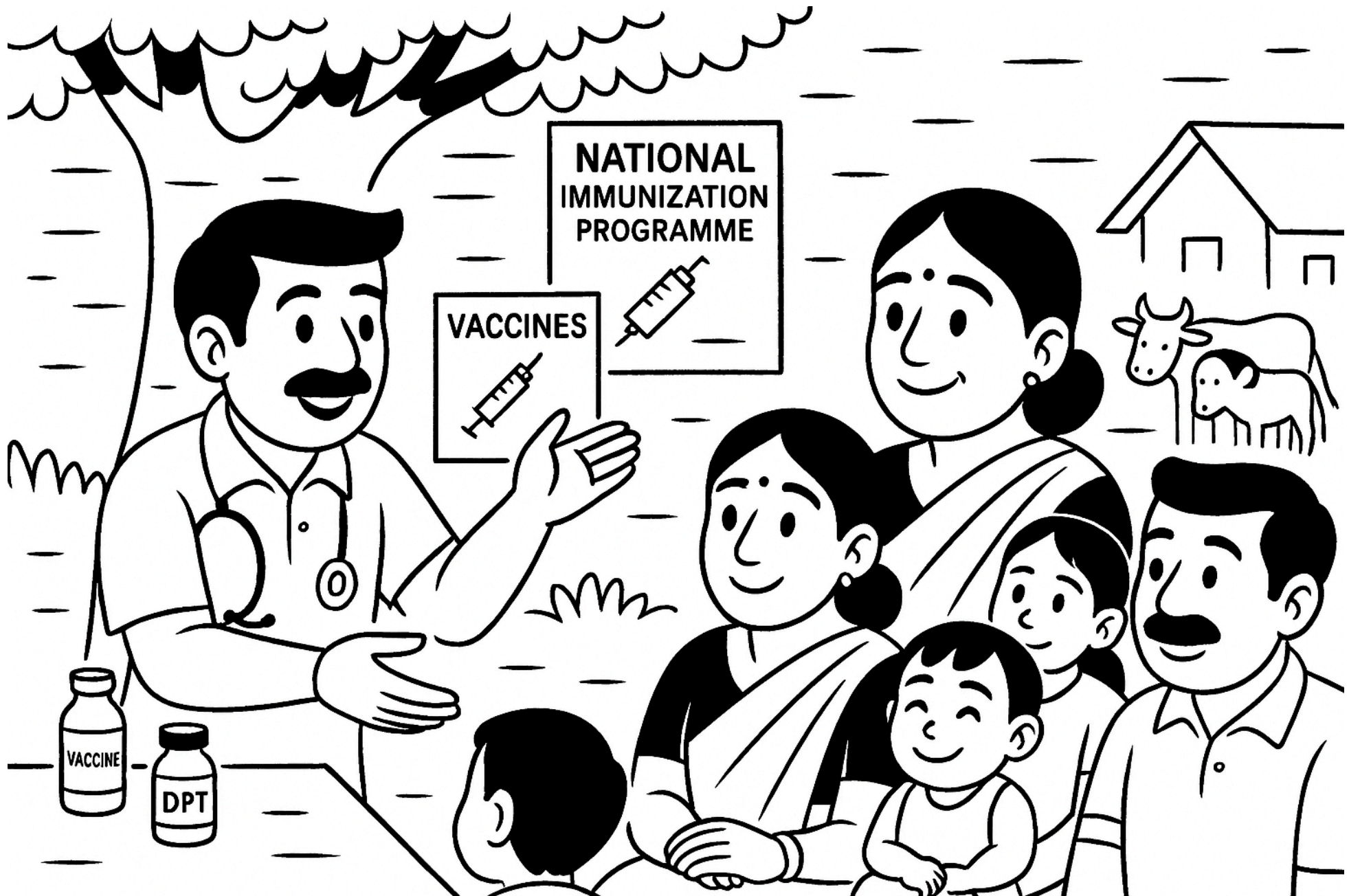
रामू औज़ि गीता रिया गिणियौ नौज़िक रै
औस्पताल दि डैऔ। डौक्टरैइ बोलौ कि
पोलियो, हेपेटाइटिस, बीमारी कौइ
बौचणेखी टीकेइ लाण। रियाइ आपड़ौ
पैहलौ टीकौ लाऔ। सै थोड़ी लेरी, पर
सौकाळी चुप रौइ गोइ थी।



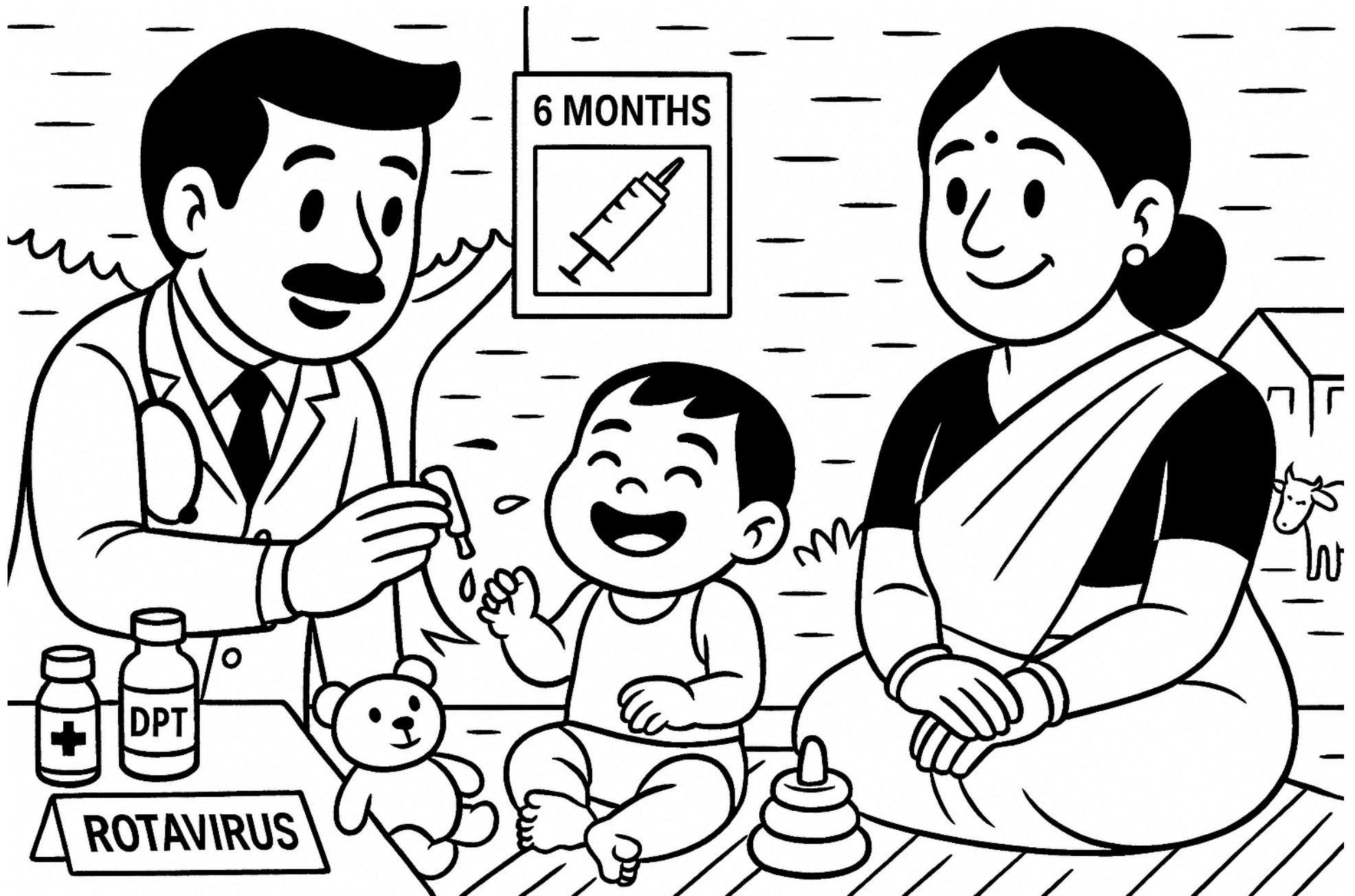
मीनाइ बोलौ कि टीकौ लाणै कौइ पेटारै
खसरा, रूबेला बाशी बीमारिउं कौइ
सुरक्षित रौयैण। गाउं दि औगौणिकै पेटारै
टीकौ ना लाणे री बौजै कौइ बीमार
औयैण थै। पर ऐबै सारै लोग चौकश रौन्दै
लागी गोए थै।



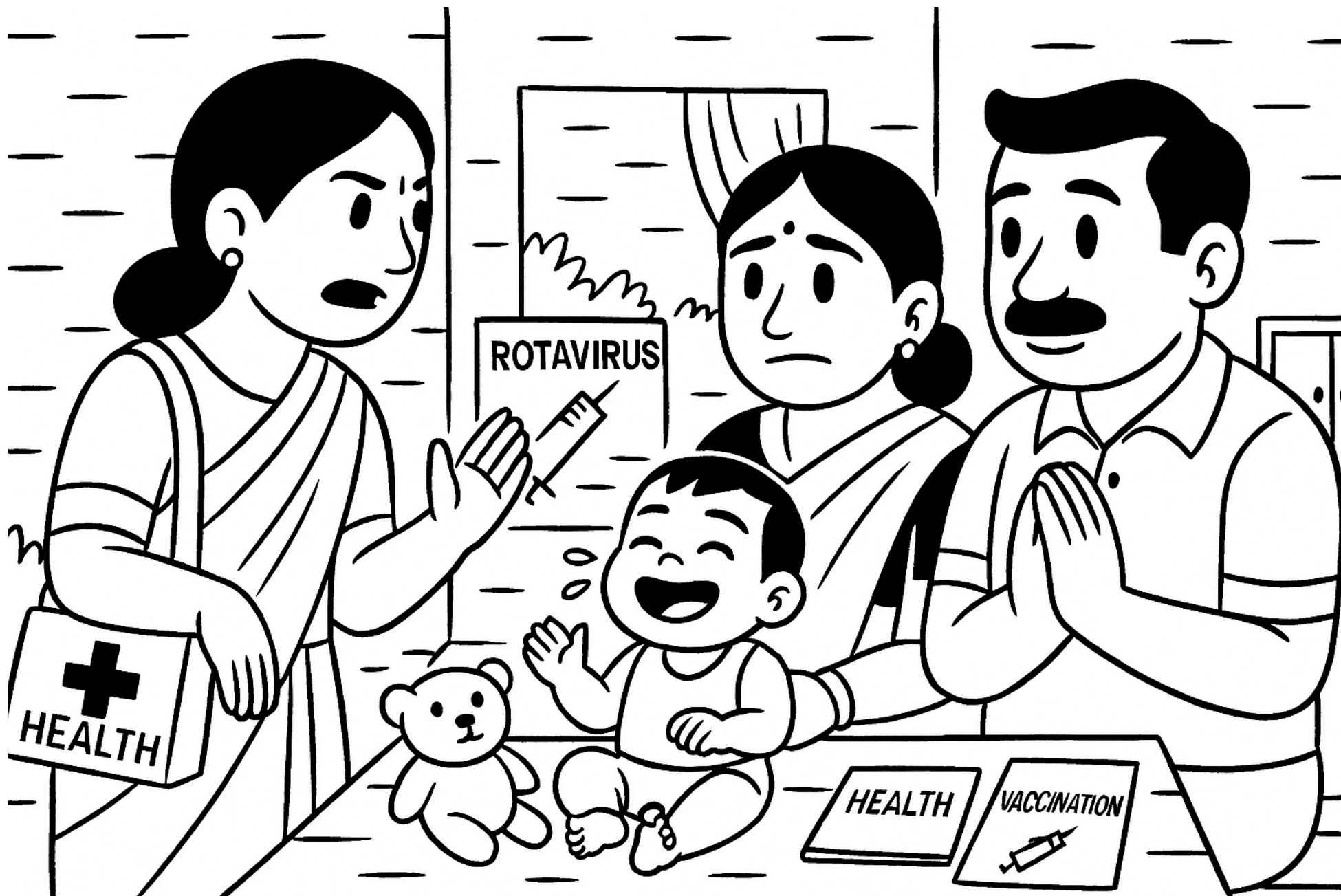
रिया दि दुजौ टीकौ दुई मीनै बासियै
लागौ। सेउ डीपीटी टीकौ थौ, सेउ
डिप्थीरिया, टेटनस औज़ि पटुसिस कौइ
बौचायै। गीताइ देखौ कि टीके री बौज़ै
कौइ माइं मज़बुत रौइ उन्दी लागी।



टीकौ लाणै कौइ पेटारौउं रै शौरीश री
संक्रमण बीमारिउं कौइ लौड़ने री ताकतेइ
बौड़ायै। भारत सौरकार दि टीकौ लाणै
रौ काम सारै पेटारौउं केखि, रामुइ
गाउं वाळौउं कै बी टीकौ लौआणे री
सौला देई।



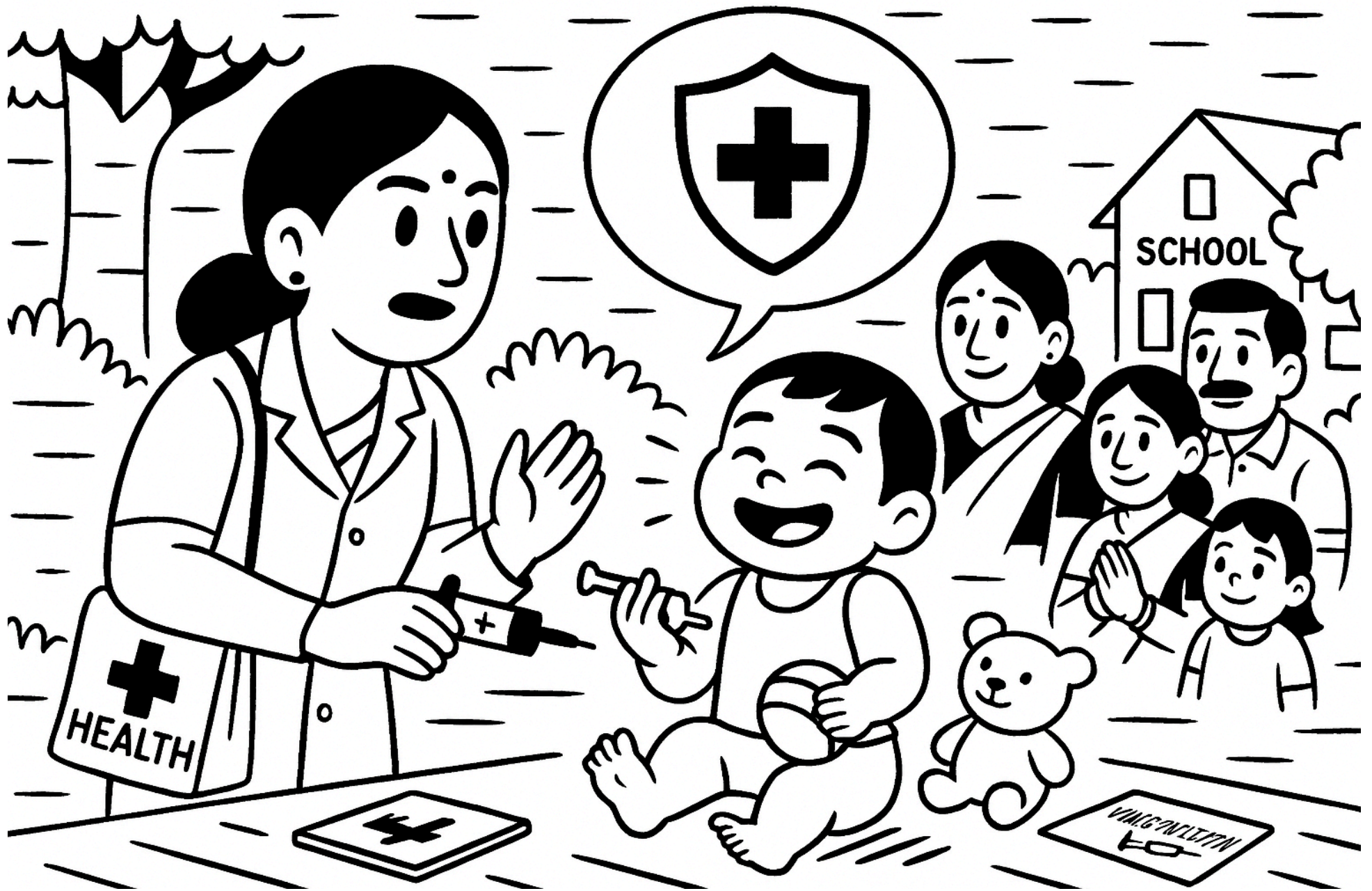
रिया ऐबै छौ मीने री औइ गोइ थी। तैबै
तिंकै रोटावायरस रौ टीकौ लागौ। एउ
टीकौ दौस्त बाशी गातक बीमारिउं कौइ
बौचायै। गीता बौरी खुश थी केलाकि
रिया बिलकुल ठीक औज़ि औस्दि खेल्लु
रौयै थी।



मीनाइ बोलौ कि टीकौ ना लौआणै कौइ
पेटारै कमज़ोर औई सौकैण। औज़ि कोइ
बौड़ी बीमारी बी औई सौकै, पर बौक्तेदि
टीकौ लौआणै कौइ पेटारै बौड़िया
जिन्दगी ज़ियैण रामुइ बी वादौ कियौ कि
आमै रिया कै पुरै टीकै लौआइण।



एक साल बासियै, रिया पुरी स्वस्थ थी
औज़ि गाउँ दि खेलै थी। टीकौ लाणै कौइ
सै सारी छोटी मोटी बीमारिउँ कौइ
बौचाइ। गाउँ वालै बी ऐबै टीकै लाणै रै
फाइदै रै बारेदि सौमज़ी गोयै थै।



रिया बौड़ी उइयौ डौक्टर बौणनौ चायै थी।
ताकि सै दुजै पेटारौउं कै टीकै रै बारेदि
बोली सौकै ली। टीकौ लाणौ पेटारौउं रै
औदिकार औजि तिउंरी बौड़िया ज़िन्दगी
खी फाइदेमंद एजि बौजै कौइ सारिउं रै
आमा पापाइ आपड़ै पेटारौउं कै टीकौ
बौरी ज़ौरुरी लौआणौ चाइं।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

